MOREPEN

प्रेस विज्ञप्ति

वित्तीय वर्ष 2016-17 की चौथी तिमाही में दवाओं के निर्यात, बल्क ड्रग्स और होम डाग्योनिस्टक बिजनेसेज से प्राप्त उच्च राजस्व ने मोरपेन लैब की बिक्री और मुनाफे में काफी बढ़ोतरी की

वित्तीय वर्ष 2016-17 की चौथी तिमाही के मुख्य अंश

- इस अवधि में **शुद्ध लाभ** 179 फीसदी बढ़कर 7.73 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।
- कंपनी का **नेट सेल्स रेवेन्यू** 17.4 फीसदी बढ़कर 141 करोड़ रुपये तक पहुंचा।
- **एक्सपोर्ट टर्नओवर** में 29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 73 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।
- इस तिमाही में **लोराटाडीन** ने बल्क ड्रग्स की श्रेणी में सबसे ज्यादा बिक्री में वृद्धि दर्ज की। यह वृद्धि 54 फीसदी रही।
- **ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर्स** की चौथी तिमाही में बिक्री छलांग मारकर 50 फीसदी बढ़ गई।
- **ब्याज की काफी कम लागत** ने कंपनी के 12 से 15 महीनों में **कर्ज मुक्त** होने के लक्ष्य को मजबूती दी।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के 12 महीनों के मुख्य अंश

- कंपनी का **शुद्ध लाभ** 46 फीसदी बढ़कर 23.04 करोड़ रुपये तक पहुंच गया
- **नेट सेल्स रेवेन्यू** 21 फीसदी बढ़कर 529.18 करोड़ रुपये तक पहुंचा।
- **घरेलू बिक्री** 24 फीसदी बढ़कर 284 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।
- **निर्यात** 19 फीसदी बढ़कर 245 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।
- सालाना आधार पर **रोसुवास्टेटिन और मॉनटेलुकास्ट** ने सबसे ज्यादा बिक्री में वृद्धि का रेकॉर्ड बनाया। इस अवधि में इन दोनों दवाइयों की बिक्री क्रमशः 84 फीसदी 34 फीसदी बढ़ीं।
- **ओवरऑल होम डायग्नोस्टिक** श्रेणी का राजस्व 23 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 77.76 करोड़ रुपये तक पहुंचा।
- **डॉ. मोरपैन** ईसीपी थेरेपी के लिए भारत में हेल्थकेयर सेंटर्स की चेन बना रही है।

नई दिल्ली, 1 मई 2017 : मोरपैन लेबोरेटरी लिमिटेड ने 2016-17 वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में **नेट प्रॉफिट में** 179 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और कंपनी का **नेट प्रॉफिट** 7.73 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

इस अवधि में कंपनी की **शुद्ध बिक्री से प्राप्त राजस्व (नेट सेल्स रेवेन्यू)** में 17.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 141 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसके मुकाबले 2015-16 वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट और नेट सेल्स रेवेन्यू क्रमश: 2.77 करोड़ रुपये और 119.77 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था।

2016-17 की चौथी तिमाही में कंपनी की दुनिया के अन्य देशों तक बढ़ती पहुंच ने कंपनी को उच्च राजस्व प्राप्त करने में मदद की। चौथी तिमाही में **निर्यात के माध्यम से होने वाली बिक्री (एक्सपोर्ट सेल्स) में** 29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 73 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। हालांकि घरेलू परिचालन से दवाइयों की बिक्री में सीमांत 7 फीसदी की बढोतरी हुई और यह 68 करोड़ रुपये रही।

बल्क ड्रग्स (एपीआई सेगमेंट) की बिक्री इस अवधि में लगातार बढ़ी और इस सेंग्मेंट ने कंपनी के कुल टर्नओवर में 67 फीसदी का योगदान दिया। मोरपैन लैब की सबसे ज्यादा बिकने वाली दवाई **लोराटाडीन** ने 2016-17 की चौथी तिमाही में एक बार फिर कंपनी के विकास में एक्सिलरेटर का काम किया। चौथी तिमाही में लोराटाडीन की बिक्री में अकेले ही 54 फीसदी की बढ़तरी हुई और यह 34.35 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। चौथी तिमाही में कंपनी की बल्क ड्रग्स की बिक्री में 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 94.35 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

डॉ. मोरपेन बास्केट, जो होम डायग्नोस्टिक की श्रेणी का प्रतिनिधित्व करती है, ने भी इस तिमाही में बेहतरीन प्रदर्शन किया। 2016-17 की चौथी तिमाही में इस श्रेणी में ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर्स की बिक्री में सबसे अधिक 50 फीसदी का उछाल आया और यह 13.41 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसके मुकाबले पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर्स ने 8.94 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की थी। वित्त वर्ष 2016-17 की चौथी तिमाही में इस संपूर्ण श्रेणी में 19.45 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज हुई और 2015-16 वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में होने वाली बिक्री के मुकाबले यह 20 फीसदी ज्यादा है।

ओटीसी (ओवर द काउंटर) प्रॉडक्ट्स और फॉरम्युलेशन की श्रेणी में भी चौथी तिमाही में अच्छी बिक्री दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2016-17 की चौथी तिमाही में ओटीसी प्रॉडक्ट्स की कुल बिक्री, जिसमें बरनॉल और लेमोलेट शामिल है, 11 फीसदी तक बढ़ गई।

वित्त वर्ष 2016-17 की पूर्ण अवधि और चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों पर विचार-विमर्श के लिए हुई कंपनी की बोर्ड मीटिंग के बाद **मोरपेन लेबोरेटरीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री सुशील सूरी** ने यह खुलासा किया। उन्होंने कहा, **"**कंपनी का लगातार ध्यान पिछला एकीकरण, अनुसंधान और दवाओं को बनाने में नवीनतम प्रक्रिया अपनाने पर रहा। इससे कंपनी को मार्केट में अपना पांव मजबूती से जमाने और नए मार्केट में निवेश करने के कंपनी के विजन को साकार करने में मदद मिली। इससे अब कंपनी के अनुकूल नतीजे भी दिखने लगे हैं।**"**

"**डॉ. मोरपैन**" **के ब्रैंड पोर्टफोलियो** ने वित्त वर्ष 2016-17 की चौथी तिमाही में 10 फीसदी की उछाल के साथ 53.25 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 48.53 करोड़ रुपये का बिक्री राजस्व हासिल किया था। चौथी तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष 2016-17 में **ब्याज की लागत** भी कम हुई। इससे 12 से 15 महीनों की अवधि में **कर्ज मुक्त** होने के कंपनी के लक्ष्य को मजबूती मिली।

2016-17 के पूरे वित्तीय वर्ष के दौरान मोरपैन लैब कै शुद्ध लाभ में 46 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई और यह 23.04 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में कंपनी ने 15.78 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। वित्तीय वर्ष 2016-17 में कंपनी के नेट सेल्स रेवेन्यू में 21 फीसदी

की बढ़ोतरी हुई और यह 529.18 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कुल एपीआई बिजनेस 23 फीसदी बढ़कर 340.13 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। डॉ. मोरपेन होम डायग्नोस्टिक्स के बिजनेस में भी 23 फीसदी का उछाल आया और यह 77.76 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी के फॉरम्युलेशन बिजनेस में 10 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई और यह 26.59 करोड़ रुपये तक पहुंचा। प्रॉडक्ट कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग और ब्रैंड शेयरिंग के बिजनेस में 16 फीसदी का उछाल आया और यह 84.69 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

एपीआई बिजनेस की श्रेणी में रोसुवास्टेटिन की बिक्री 84 फीसदी तक बढ़कर 24.60 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जबकि मोंटेलुकास्ट की बिक्री में 34 फीसदी का उछाल आया और यह 98.83 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। जबकि एक अन्य दवाई **लोराटाडीन** की बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 113.20 करोड़ रुपये तक पहुंची।

2016-17 के वित्तीय वर्ष में **ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर्स और ब्लड प्रेशर मॉनिटर्स** की बिक्री 59.26 करोड़ रुपये तक बढ़ गई, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 43.00 करोड़ रुपये थी। इसमें 38 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। भारत में डायबिटीज के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए इस श्रेणी में आने वाले सालों में अपनी बिक्री बढ़ाने के कंपनी के पास पर्याप्त अवसर है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में कंपनी ने ग्लूकोमीटर की बिक्री में 10 लाख इंस्टालेशंस का आंकड़ा छू लिया। कंपनी ने इस अवधि में 4 करोड़ 80 लाख स्ट्रिप्स बेची, जबकि पिछले साल कंपनी ने 3 करोड़ ग्लूको स्ट्रिप्स की बिक्री की थी।

डॉ. मोरपैन के पूरे ब्रैंड पोर्टफोलियो ने वित्तीय वर्ष 2016-17 में 219.43 करोड़ रुपये का सेल्स रेवेन्यू दर्ज किया। पिछले वित्तीय वर्ष में इस श्रेणी में कंपनी ने 173.10 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया था। इसमें 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कंपनी ने यह भी घोषणा की कि उसकी सहायक कंपनी **डॉ. मोरपेन लिमिटेड भारत में डॉ. मोरपेन नाऊ के नाम से जगह-जगह अपनी तरह के पहले स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना कर रही है।** इसमें भारतीय उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए ईसीपी थेरेपी ऑफर की जा रही है। **यह कदम कंपनी के नेशन ऑन वेलनेस (नाऊ) अभियान का एक अंग है**, जिससे कंपनी देश में लोगों को होने वाली दिल की बीमारियों और डायबिटीज की बीमारी के लिए आसान और सुगम इलाज उपलब्ध कराएगी। **पहला डॉ. मोरपेन नाऊ क्लीनिक नई दिल्ली के हौजखास में बनाया गया है।**

<u>मोरपेन लैबोरेटरीज लिमिटेड के बारे में</u>

मोरपैन लैबोरेटरीज लिमिटेड 33 साल पुरानी फार्मास्युटिकल और हेल्थ केयर प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी है। 1993 में कंपनी के शेयर पहली बार मार्केट में आए। वतर्मान में कंपनी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड है।

मोरपेन एपीआई/बल्क ड्रग्स, होम डायग्नोटिक्स, फॉरम्युलेशन और ओटीसी प्रॉडक्ट्स का निर्माण और बिक्री करती है। कंपनी का हिमाचल प्रदेश में बद्दी नामक जगह पर आधुनिकतम निर्माण संयंत्र है, जहां वैज्ञानिक रूप से एकीकृत 10 प्लांट्स लगाए गए हैं, जिसमें से हरेक प्लांट में किसी विशेष दवा का निर्माण होता है। मसुलखाना में यूएसएफडीए से मंजूरी प्राप्त निर्माण संयंत्र में एलर्जी को खत्म करने वाली दवा लोराटाडीन बनाई जाती है, जिसे दुनिया भर में क्लैरिटिन के नाम से जाना जाता है। एक नई बेहतरीन दवा, मोंटेलुकास्ट का भी निर्माण एफडीए से मंजूरी प्राप्त इस प्लांट में होता है। बद्दी में स्थित कंपनी के विशालतम निर्माण संयंत्र में अमेरिका के नियमित बाजारों और विश्व के अनेक अनियमित बाजारों में निर्यात के लिए नई और बाजार में सबसे ज्यादा डिमांड वाली दवाएं जैसे एटोरवास्टेटिन, रोसुवास्टेटिन और सिटाग्लिपटिन बनाई जाती है।

मोरपेन घरेलू बाजार में 6 प्रमुख चिकित्सा श्रेणी के तहत 100 से ज्यादा ब्रैंडेड दवाओं की बिक्री करती है। मोरपेन के पास इन दवाओं के निर्माण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज (जीएमपी) प्रमाणित सुविधा भी है, जिसके तहत विश्व में गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने वाले दवाओं का

निर्माण किया जाता है। कंपनी के पास आधुनिकतम निर्माण संयंत्र के साथ रिसर्च और डिवेलपमेंट (अनुसंधान और विकास) में कार्यरत समर्पित प्रफेशनल्स की मजबूत टीम है। होम डायग्नोस्टिक बिजनेस के क्षेत्र में कंपनी की घरेलू बाजारों में ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर्स और ब्लडप्रेशर मॉनिटर्स की श्रेणी में मजबूत मौजूदगी है। कंपनी के ओटीसी ब्रैंड्स का प्रमोशन पूरी तरह स्वामित्व वाली सहायक कंपनी डॉ. मोरपैन लिमिटेड करती है। डॉ. मोरपेन की मशहूर ओटीसी प्रॉडक्ट लाइन की दवाएं, जिसमें बरनॉल, लेमोलेट, सत-ईसबगोल, पेन-एक्स और दूसरी दवाएं शामिल है, घरेलू बाजार में अच्छी-खासी तादाद में उपलब्ध है।

For Further Details, Please contact:

Propel Communications,
Girish Singhal
Mb: 9810206244
Email: propelpr.com@gmail.com

.

MOREPEN
The Joy of Growing Together